

Central Government to ban immediate-
[श्री भद्रकाकडुसैन]

के लिए लाभदायक होगा जब बड़ी लाइन को बगहा तक ही समाप्त न कर सिसवा बाजार के रास्ते गोरखपुर से जोड़ा जाए। तब इस पिछड़े क्षेत्र का रिश्ता एक तरफ दिल्ली से और दूसरी तरफ कलकत्ता से सीधा जुड़ सकेगा। इसलिए मैं मांग करता हूँ कि मुजफ्फरपुर से बगहा तक बड़ी लाइन में तबदील करने की योजना का विस्तार कर इसे सिसवा बाजार के रास्ते गोरखपुर से जोड़ा जाए।

आज के युग में सड़क परिवहन का बहुत ग्रहण मुकाम है। बगहा या उसके आस पास बड़ी गण्डक नदी पर पुल बनाना आसान काम नहीं है। इस नदी पर निकट भविष्य में आस पास कोई दूसरा पृथक सड़क का पुल बन सके वह मुमकिन नहीं प्रतीत होता। इसलिए प्रस्तावित बगहा पुल में अगर निर्माण के समय ही यह गुंजाइश रखी जाए कि निकट भविष्य में इसे रेल के साथ साथ सड़क पुल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके तो इससे इस पिछड़े क्षेत्र की तरक्की के रास्ते खुलने की गुंजाइश भविष्य में भी रहेगी। इसलिए हम केन्द्र सरकार से यह भी मांग करते हैं कि रेल और परिवहन मंत्रालय मिल कर इसी समय इस हर दृष्टि से महत्व के पुल को रेल के साथ सड़क के इस्तेमाल के लायक भी बनावें।

(vi) NEED TO BAN IMPORT OF COPRA AND COCONUT OIL.

SHRI GEORGE JOSEPH MUNDACKAL: (Muvattupuzha): The price of copra (dried coconut) and coconut oil has crashed in the market due to the import of these commodities into our country. More than three million small and marginal farmers of Kerala are affected because of the fall in price of coconut products. It will surely affect the economic conditions of Kerala. So, I request the

diately the import of copra and coconut oil into our country.

(vii) STRIKE BY DEFENCE EMPLOYEES.

SHRI MUKUNDA MANDAL (Mathurapar): Sir, defence employees (civil) all over India will launch one day token strike today in protest against the non-implementation of their nine-point charter of demands by the Ministry of Defence. This Ministry has taken to dilatory tactics for not implementing the agreement reached with the All India Defence Employees Federation on 11-8-1979 on the nine demands on the basis of which the earlier strike called for 13-8-1979 was postponed. The nine-point demands are (1) revision of pay scales and avenues of promotion on the pattern obtaining in the railways in respect of all categories; (2) grant of two promotions for every category of employees during service as recommended by the Pay Commission; (3) opening of avenues of promotion for Class IV non-industrial and large number of mazdoors who are now stagnated and have no avenues; (4) bonus to all defence employees along with railways, P. and T. etc.; (5) defence orders not to be handed over to private sector to the detriment of employment and earnings of defence employees and also at the cost of quality of defence goods; (6) statutory canteen and employees to be treated as government employees; (7) parity of leave entitlement between the industrial workers and non-industrial workers; (8) Vacate all types of victimisation; and (9) Full trade union rights to all Defence workers.

Sir, nearly 2.20 lakhs civilian workers belonging to M.E.S., Research and Development, A.S.C. Supply Depots, Military Farms, Sainik Hospitals and a section of Air Force and Naval Dock Yard workers and some workers in other units have not been paid even 15 days' wages, although the Defence Ministry assured to pay this amount before Durga Puja. So, this is the attitude of the Defence Ministry and they are responsible for

pushing the employees into agitational path.

I, therefore, urge upon the Government to take steps for immediate settlement of their demands.

(viii) CRASH OF AIRCRAFT FLOWN BY SHRI SANJAY GANDHI.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव (मधेपुरा) :
 अध्यक्ष जी, मैं एक ऐसे साजिश का भंडा-
 फोड़ करना चाहता हूँ, जिससे एक मांग
 की गोद सूनी हो गई, एक मांग का सिन्दूर
 मिटा दिया गया तथा देश को एक उदीममान
 युवा नेता से महरूम कर दिया गया।
 ज्यादा दिन नहीं हुए हैं जब सदन ने
 माननीय सदस्य संजय गांधी की हवाई
 दुर्घटना में असमय और आकस्मिक निघन
 पर गहरा शोक प्रकट किया था। पर
 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से इस
 सदन देश तथा दुनियां को आज बताना
 चाहता हूँ कि वह साधारण मौत नहीं,
 एक निर्मम एवं लोमहर्षक राजनीतिक हत्या
 थी। यह हत्या नानाजी देशमुख के इशारे
 पर इंडियन एयर लाइन के एक संधी मैके-
 निक द्वारा श्री संजय गांधी जी द्वारा उड़ाए
 जाने वाले हवाई जहाज में खराबी कराके
 कराई गई। इस बात का आधार है बी०
 जे० पी० के इसी सदन के एक माननीय
 सदस्य श्री रुद्र प्रताप सांगी का वह
 पत्र जो उन्होंने बी० जे० पी० के अध्यक्ष
 तथा माननीय सदस्य अटल जी को लिखा
 जिसकी प्रतिलिपि मैं सभा पटल पर
 रखता हूँ [ग्रन्थालय में रखा गया [देखिये
 संख्या 180/30]

अध्यक्ष जी, मैं चाहता हूँ कि दोषी
 व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि
 फिर कभी हमारे देश की किसी होनहार
 प्रतिभा के साथ इस तरह की साजिश
 नहीं की जा सके। . . . (व्यवधान) . . .

एक माननीय सदस्य : अध्यक्ष महोदय,
 यह बड़ा गंभीर मामला . . . (व्यवधान) . . .

अध्यक्ष महोदय : गंभीर मामला है तो
 आप क्या चाहते हैं, आप क्या कर रहे
 हैं। . . (व्यवधान) . . .

श्री रुद्र प्रताप सांगी (जमशेदपुर):
 मुझे खेद है कि मेरे सहयोगी श्री आर०
 पी० यादव ने सदन में एक ऐसा मामला
 उठाना उचित समझा है जो एक गन्दी
 जालसाजी पर आधारित है।

मैं सम्पूर्ण शक्ति के साथ इस बात का
 खंडन करता हूँ कि मैंने श्री संजय गांधी
 की दुर्घटना से हुई मृत्यु के बारे में अपने
 दल के नेता श्री अटल बिहारी बाजपेयी
 को कोई पत्र लिखा मैं श्री बाजपेयी से
 लगातार मिलता रहता हूँ। श्री संजय गांधी
 की मृत्यु के बाद भी कई बार मिल चुका
 हूँ। यदि मुझे कुछ कहना होता तो इस
 मामले के बारे में मैं उनसे मिलकर कह
 सकता था। इसलिए मैंने कहा कि यह
 पत्र न केवल जालसाजी का नमूना है,
 लेकिन एक ऐसी जालसाजी का नमूना है
 जो अत्यन्त भंडी है जो किसी बेवकूफ
 के गले के नीचे भी नहीं उतर सकती।

मुझे यह देखकर बड़ा दुख हुआ
 कि यह सारी कीचड़ में नानाजी देशमुख
 का नाम भी घसीटने की कोशिश की गई थी।
 नाना जी के प्रति मेरे मन में बड़ा आदर है
 और मैं श्रद्धा की दृष्टि से उनको देखता हूँ।

स्वर्गीय दीनदयाल की मृत्यु उस समय
 हुई थी जब केन्द्र में कांग्रेसी शासन था
 और मृत्यु की जांच के लिए जस्टिस चन्द्र
 चूड़ की नियुक्ति की गयी थी, यदि इस
 हत्या में किसी का हाथ होता तो सरकार
 जरूर पता लगा लेती।

मैं मांग करता हूँ कि श्री आर० पी०
 यादव सदन को यह बतायें कि मेरे
 द्वारा लिखा हुआ यह कथित पत्र उन्हें
 कहां से मिला। इस जाली पत्र के अलावा
 क्या उनके पास और भी सामग्री है, जिसके